कमल नाथ पर दर्ज झूठा मुकदमा वापस ले, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

रतलाम ● स्वदेश समाचार

शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा आज राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया गया, जिसमें मांग की गई है कि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा अपनी नाकामी तथा कोरोना मृत्यु के आंकड़ों में की गई हेराफेरी को छुपाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमल नाथ पर झूठे मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

राज्यपाल से मांग की गई इस प्रकार से मुकदमे दर्ज करना स्वस्थ्य प्रजातंत्र की निशानी नहीं

बग्गा, एनएसयूआई अध्यक्ष नीलेश शर्मा, आईटी सेल अध्यक्ष हिम्मत जेतवार, वरिष्ठ अभिभाषक सुनील पारेख, अभय शर्मा, युवक कांग्रेस किशन सिंगार, जोयब आरिफ, जसपाल बग्गा, सतीश गिरी, नदीम मिर्जा, तरुण पुरोहित, राहुल राठौर आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पर दर्ज हो मुकदमा

कांग्रेस द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए एक आवेदन में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

पड़ोसी जिले में भी आ रहे केस • कॉलेज में दवा का इंतजाम करने की गुहार सीएम तक पहुंची पर सिर्फ आश्वासन मिला, तीनों मरीजों के सैंपल हुए

ब्लैक फंगस का खतरा... लेकिन हम निहत्थे

फिलहाल फंगस की पुष्टि होना बाकी

मेडिकल कॉलेज में तीन मरीज पहुंचे, तीनों को इंदौर रेफर किया... क्योंकि हमारे पास दवा नहीं

राहत - मेडिकल कॉलेज में ब्लैक फंगस के मरीजों के लिए 10 बेड के वार्ड के अलावा अन्य चिकित्सकीय इंतजाम जुटाए

भास्कर संवाददाता | रतलाम

बड़ा खतरा हमारी दहलीज पर आ चुका है... लेकिन हम निहत्थे खड़े हैं। हम बात कर रहे हैं ब्लैक फंगस की। जी हां, रतलाम में भी ब्लैक फंगस के तीन संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं। सोमवार को यह केस मेडिकल कॉलेज में पहुंचे लेकिन कॉलेज में कुछ देर गुजारने के बाद ही उन्हें रेफर कर दिया गया, ऐसा इसलिए क्योंकि ब्लैक फंगस के इलाज के लिए जरूरी दवा हमारे पास नहीं है।

पड़ोसी जिले इंदौर और उज्जैन में ब्लैक फंगस के मामले लगातार मिल रहे हैं, इनकी पुष्टि भी हो रही है। हालांकि अब तक हमारे जिले में किसी केस में पुष्टि नहीं हुई है लेकिन सोमवार को मेडिकल कॉलेज में तीन ऐसे मामले पहुंचे जिनमें ब्लैक फंगस के लक्षण देखे गए हैं। तीनों ही केस में मरीजों को सीधे इंदौर रेफर कर दिया गया। इधर अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि इलाज की जल्दी होने के कारण मरीज की सीटी स्कैन और एमआरआई नहीं हो सकी। मरीजों के सैंपल लिए गए हैं।

यदि आपको भी इस तरह के लक्षण हैं... तो नजरअंदाज ना करें

- चेहरे का एक तरफ से सूज जाना।
- सिरदर्द होना।
- उल्टी आना।
- बुखार आना।
- सीने में दर्द।
- साइनस कंजेशन।
- मुंह के ऊपरी हिस्से या नाक में काले घाव होना।

मेडिकल कॉलेज का परिसर अब खाली होने लगा है। सोमवार को कॉलेज में 300 मरीज ही भर्ती थे, जबकि यहां 550 बेड हैं। इधर, अब ब्लैक फंगस के नए खतरे ने सभी को दोबारा चिंतित कर दिया है।

सीएम की वीसी में भी उठा दवा का मामला, डीन ने कहा - उपलब्ध करवाएं - इधर, मेडिकल कॉलेज में दवा की कमी होने की बात शासन स्तर तक भी पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री की वीसी में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने शासन से दवा की मांग की है ताकि मरीज को मेडिकल कॉलेज में ही इलाज मिल सके। कॉलेज में ब्लैक फंगस के मरीजों के लिए 10 बेड का वार्ड सहित अन्य सभी इंतजाम किए जा चुके हैं लेकिन दवा नहीं है। शासन स्तर से जल्द दवा मिलने का आश्वासन मिला है।

इंजेक्शन आ जाएंगे- ▶ अब ब्लैक फंगस के मरीजों का इलाज मेडिकल कॉलेज में ही हो सकेगा। सोमवार को सीएम ने इसकी स्वीकृति दे दी है। जल्द ही इंजेक्शन भी आ जाएंगे। एक-दो दिन में वार्ड भी तैयार कर लिया जाएगा। - कुमार पुरुषोत्तम, कलेक्टर

सहमति दी है- ▶ कोशिश करके मेडिकल कॉलेज की सुविधाओं में विस्तार करवा रहे हैं। ब्लैक फंगस को लेकर आवश्यकता जताने पर मुख्यमंत्री ने सहमति दे दी है। अब ब्लैक फंगस के मरीजों को इलाज के लिए इंदौर नहीं जाना पड़ेगा। - चेतन्य काश्यप, विधायक

सीधी बात

डॉ. जितेंद्र गुप्ता, डीन, मेडिकल कॉलेज, रतलाम

तीन संदिग्ध केस मिले

• ब्लैक फंगस का कोई मामला सामने आया?

- आज हमारे पास तीन संदिग्ध मामले आए हैं। हालांकि, इंदौर रेफर हुए हैं।

• इंदौर क्यों रेफर करना पड़ा?

- इलाज के लिए जरूरी दवा नहीं है, ऐसे में वहां बेहतर इलाज मिलेगा।

• इन मामलों में पुष्टि के लिए क्या?

- हमने तीनों ही मरीजों के सैंपल ले लिए हैं, इनकी जांच माइक्रोबॉयोलॉजी लैब में होगी, सीटी स्कैन और एमआरआई के लिए समय नहीं था।

• दवा के इंतजाम के लिए क्या कर रहे हैं?

- शासन स्तर से लेकर सोशल स्तर तक प्रयास कर रहे हैं। हालांकि अभी दवा की कमी सभी जगह बनी हुई है। शासन से जल्द दवा मिल जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में होगा इलाज, मरीजों का इंदौर नहीं जाना पड़ेगा

रतलाम | ब्लैक फंगस का इलाज अब मेडिकल कॉलेज में भी हो सकेगा। मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने सोमवार को इसकी मंजूरी देते हुए कहा कि कॉलेज में इलाज की तैयारी करो। जल्द ही उपचार में काम आने वाले इंजेक्शन भी मेडिकल कॉलेज पहुंचा दिए जाएंगे। इसके बाद कॉलेज में ब्लैक फंगस के लिए अलग से वार्ड बनाने की रफ्तार बढ़ा दी गई है। सोमवार को वीसी के माध्यम से संक्रमण दर 4.5 प्रतिशत तक पहुंचने की जानकारी लगने पर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम सहित कोरोना से लड़ने वाली पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही हिदायत दी कि इसे और कम करने के साथ ही स्टेबल रखने की चुनौती है।

विधायक चेतन्य काश्यप ने रेलवे हॉस्पिटल में चेतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने की जानकारी दी। साथ ही ई-पास व्यवस्था को मॉडल बताते हुए दूसरे शहरों में लागू करने की बात कही। वहीं नर्सों की नियुक्ति में स्थानीय जिले में वरीयता देने की मांग की। जावरा विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय ने ब्लैक फंगस के इलाज के लिए इंजेक्शन की जरूरत बताई। साथ ही कहा कि आसपास के जिलों में सस्ती बनी रहेगी तो एकरूपता रहेगी। वीसी में ग्रामीण विधायक दिलीप मकवाना, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता भी शामिल हुए।

ब्लैक फंगस के उपचार के लिए इंजेक्शन के इंतजाम जरूरी

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। ब्लैक फंगस के मरीजों के लिए मेडिकल कालेज में अलग वार्ड बनाया गया है, लेकिन पर्याप्त इंजेक्शन की व्यवस्था की जाना चाहिए। कोरोना की तीसरी लहर की तैयारी के लिए रतलाम व जावरा हास्पिटल में बच्चों के लिए अलग वार्ड बनाया जाकर संसाधन उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है।

यह बात सोमवार को जावरा विधायक डा. राजेंद्र पांडेय ने कोरोना समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा में कही। लगातार पाजिटिव मरीजों की संख्या कम होने पर मुख्यमंत्री ने रतलाम की पूरी टीम को बधाई दी।

वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक में रतलाम विधायक चैतन्य काश्यप, ग्रामीण विधायक दिलीप मकवाना, कलेक्टर कुमार पुरुषोतम, एसपी गौरव तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधि और अधिकारी। ●नईदुनिया

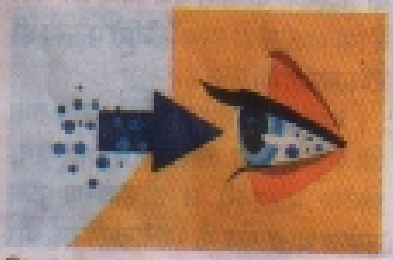

विधायक काश्यप ने जानकारी दी कि उनके द्वारा रेलवे हास्पिटल में भी आक्सीजन प्लांट लगाया जा रहा है। शहर में ई पास की व्यवस्था का माडल अन्य स्थान पर भी लागू किया जा सकता है। काश्यप ने नर्सों की नियुक्ति में स्थानीय को प्राथमिकता देने की बात कही। ग्रामीण विधायक दिलीप मकवाना ने नामली व बिलपांक केंद्रों पर संसाधन उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

25-5-21

पूर्व सीएम पर दर्ज प्रकरण वापस लेने की मांग को लेकर कांग्रेसियों का ज्ञापन

डीन-एसडीएम के आश्वासन के बाद मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग स्टाफ काम पर लौटा

रतलाम। अस्थाई नर्सिंग स्टाफ को संविदा नियुक्ति पर रखे जाने या स्थाई नियुक्ति देने की मांग पर कोई निर्णय नहीं लिए जाने से नाराज नर्सिंग स्टाफ के सदस्य

▸ निर्णय नहीं लिए जाने से नाराज कर्मचारियों ने की हड़ताल

सोमवार सुबह अपनी सेवाएं देना बंद कर हड़ताल पर बैठ गए थे। हड़ताल से मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाएं प्रभावित होने लगी।

नर्सिंग स्टाफ की कमी से जूझ रहा रतलाम मेडिकल कॉलेज में सुबह अस्थाई नर्सिंग स्टाफ ने हड़ताल शुरू कर दी। जिससे मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों की देखरेख को लेकर समस्या खड़ी हो गई। इसके बाद दोपहर में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता और एसडीएम अभिषेक गेहलोत ने हड़ताल पर गए अस्थाई कर्मचारियों से बातचीत कर संविदा नियुक्ति को लेकर ठोस कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया तब वापस काम पर लौटे। मेडिकल कॉलेज के अस्थाई कर्मचारियों द्वारा एक साथ हड़ताल पर जाने से मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं पर असर पड़ने लगा था। हालांकि जिला अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ को बैकअप के तौर पर तैनात किया गया था। दरअसल रतलाम मेडिकल कॉलेज में अस्थाई

3 घंटे चली हड़ताल

अस्थाई नर्सिंग स्टाफ की समस्या को लेकर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन से मिले आश्वासन के बाद अस्थाई कर्मचारी काम पर लौट गए है, लेकिन 3 घंटों के लिए हुई हड़ताल से मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की सांसें जरूर फूल गई थी। क्योंकि कॉलेज के कोविड वार्डों में मरीजों की देखभाल की व्यवस्था गड़बड़ाने लगी थी।

नर्सिंग स्टाफ के करीब 170 से अधिक कर्मचारी अपनी सेवाएं कोरोना की पहली लहर से लेकर अब तक दे रहे हैं, लेकिन अस्थाई नर्सिंग स्टाफ की संविदा नियुक्ति पर रखे जाने या स्थाई नियुक्ति देने की मांग पर कोई निर्णय नहीं लिए जाने से नाराज नर्सिंग स्टाफ के सदस्य सुबह से अपनी सेवाएं देना बंद कर हड़ताल पर बैठ गए थे।

आश्वासन के बाद लौटा स्टॉफ

इसके बाद दोपहर में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता और एसडीएम अभिषेक गेहलोत मौके पर पहुंचे और ठोस कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिए जाने के बाद नर्सिंग स्टाफ वापस काम पर लौट आया।

संक्रमण दर 4.22 प्रतिशत हुई, सात दिन में छह प्रतिशत की कमी

सुखद खबर ● सोमवार को कोरोना के सिर्फ 52 नए मरीज मिले, एक मौत, रिकवरी रेट भी 87 प्रतिशत पर पहुंचा

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना महामारी में अप्रैल व मई के पहले पखवाड़े तक 26 प्रतिशत तक पहुंची संक्रमण दर अब तेजी से घट रही है। नए की तुलना में करीब तीन से चार गुना मरीज प्रतिदिन स्वस्थ हो रहे हैं। इससे स्वास्थ्य विभाग, प्रशासन सहित आमजन में भी राहत है। सोमवार को 52 नए मरीज मिले, 244 स्वस्थ हुए जबकि एक मौत हुई। सैंपलिंग के मान से सोमवार को संक्रमण दर 4.22 प्रतिशत रही। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान पांच प्रतिशत से कम संक्रमण दर होने पर अनलाक करने की घोषणा कर चुके हैं। अभी जिले में 31 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू है। ऐसे में एक जून तक दर और कम होने की संभावना है।

मालूम हो कि जिले में सर्वाधिक 398 पाजिटिव मरीज आठ मई को मिले थे। इसके बाद कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने ग्रामीण व शहरी इलाकों में कंटेनमेंट बनाने, ई-पास से ही बाहर निकलने, बाजार में आवाजाही सीमित करने सहित फीवर क्लीनिक व कोविड केयर सेंटर खोलने पर जोर दिया। इसके चलते गत सात दिन में ही संक्रमण दर 9.98 प्रतिशत से घटकर 4.22 पर आ गई है।

सोमवार को 52 नए मरीज मिलने के साथ ही कुल मरीजों की संख्या 17048 हो गई है। अब तक 14907 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 297 की मौत हो गई। सोमवार 32 वर्षीय जावरा

मुक्तिधाम परिसर को सैनिटाइज करते हुए निगम कर्मचारी। ● नईदुनिया

निवासी युवक की मौत हुई। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 1844 है। कोरोना काल में जिले की औसत संक्रमण दर 10.83 व रिकवरी रेट 87.44 प्रतिशत है। मृत्यु दर अभी भी 1.73 है।

मेडिकल कालेज में 242 बेड रिक्त

शासकीय मेडिकल कालेज में सोमवार 29 नए मरीज भर्ती और 21 मरीज डिस्चार्ज हुए। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आइसीयू बेड 56 सभी फुल है। एचडीयू में 172 बेड में 152 पर पेशेंट हैं। आक्सीजन बेड 180 में 85 पर पेशेंट हैं। नान आक्सीजन बेड 142 में से 15 पर पेशेंट भर्ती हैं। कुल 308 पेशेंट हास्पिटल में भर्ती हैं। इनमें 219 पाजिटिव तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल में रिक्त बेड 242 है। रेमडेसिविर की स्थिति अनुसार टोटल रिसीव्ड 7146, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कन्ज्यूम्ड 5444, करंट स्टाक 145 है।

24 मरीजों को मेडिसिन किट वितरित

ई-दक्ष केंद्र से सोमवार को होम आइसोलेशन के मरीजों की सूची स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 34 मेडिसिन किट लेकर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलों को वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलों द्वारा होम आइसोलेशन मरीजों के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया। सूची अनुसार 24

सात दिन में संक्रमण दर

तारीख	सैंपल	मरीज	संक्रमण दर
18 मई	1604	160	9.98
19 मई	1565	162	10.36
20 मई	1648	146	8.86
21 मई	1648	132	8.01
22 मई	1525	110	7.21
23 मई	1162	81	6.97
24 मई	1232	52	4.22

मरीजों को मेडिकल किट का वितरण किया गया। एक मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया। दो मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाए गए। सात मरीजों को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया। इसके अलावा 54 मेडिसिन किट मरीज के स्वजनों को प्रदान की गई।

नगरीय क्षेत्र में 170 कंटेनमेंट जोन बनाए

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए, कलेक्टर व प्रशासक नगर निगम कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशानुसार ऐसे क्षेत्र जहां कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं, उस क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन बनाया जा रहा है। इसके तहत अब तक 170 कंटेनमेंट जोन बनाए जा चुके हैं।

निगमायुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि कंटेनमेंट क्षेत्र के साथ शहर के अन्य स्थानों पर फायर लारी व ट्रैक्टर के माध्यम से सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है।

कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाना और शारीरिक दूरी का पालन करना जरूरी है। आवश्यक काम होने पर ही घर से बाहर निकलें। हाथों को बार-बार पानी-साबुन से धोते रहें। शासन-प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करें।

– बिमल जैन ठेकेदार, आलोट

संक्रमण रोकने के लिए शासन द्वारा दी गई गाइड-लाइन का पालन करना हम सभी का कर्तव्य है। बेवजह बाजार में घूमकर अपनी और परिवार की जान जोखिम में नहीं डालें। संक्रमण के दौर से बचना है तो मास्क के उपयोग के साथ-साथ समय आने पर वैक्सीनेशन अवश्य करवाएं।

– अशोक भंडारी, अभिभावक, आलोट

कोरोना को अगर हराना है तो सबसे पहले हमें हमारी सोच बदलना होगी, तभी इस वायरस से हम जीत सकेंगे और भारत को भी जीता सकेंगे। मास्क ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। नियमों का पालन करें।

– लोकेंद्रसिंह राठौर, सेल्समैन, प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था पिपलौदी

मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि आप तनाव से दूर रहें। खुद के लिए समय निकालें। कोरोनाकाल में उन लोगों से बात करें, जिन पर आप भरोसा करते हैं। नियमित व्यायाम व योग प्राणायाम करें। –पुखराज सेठी, पूर्व पार्षद, सोमवारिया जावरा

वर्तमान परिस्थितियों में दो गज की दूरी मास्क है जरूरी का पूर्ण रूप से सभी को पालन करना चाहिए। इलाज से ज्यादा अच्छा है कि सतर्कता व सावधानियां रखी जाए। इसलिए अपने-अपने परिवार और समाज के बचाव के लिए भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहना चाहिए। – लोकेश कांठेड़, व्यवसायी, सोमवारिया जावरा

कोरोना को काबू करने के लिए बनाए गए कंटेनमेंट जोन तोड़कर बाहर आना गलत है। जब तक सभी का वैक्सीनेशन नहीं हो जाता, तब तक मुंह पर मास्क लगाकर व कोविड प्रोटोकाल का पालन करना चाहिए। – मंजुला सेठिया, लेखिका, तंबाकू बाजार, जावरा

कुछ साधारण सावधानियां बरतते हुए सुरक्षित रहें। शारीरिक दूरी बनाना, मास्क पहनना, कमरों को अच्छी तरह हवादार रखना, भीड़ से बचना, हाथों को बार-बार साफ करना जरूरी है। अपनी बारी आने पर वैक्सीन जरूर लगवाएं।

–साक्षी संघवी, छात्रा, सोमवारिया जावरा

राजनेता, डाक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, पुलिस प्रशासन आदि इस विपदा की घड़ी में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। जनता को प्रशासन के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। सकारात्मक सोच रखते हुए एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए।

– प्रियंक धारीवाल, हुंडी दलाल, कोठी बाजार जावरा

25-5-21

कोरोना कर्फ्यू में ये भी सेवा : लोगों को दिक्कत ना आए इसके लिए भर रहे हैं पात्रता पर्ची फॉर्म

रतलाम | कोरोना कर्फ्यू में पात्रता पर्ची जारी की जा रही है। लोगों को पात्रता पर्ची का फॉर्म भरने में दिक्कत ना आए इसके लिए इक्का बैलूत एवं परिवार पात्रता फॉर्म भरने में लोगों की मदद कर रहे हैं। पूर्व पार्षद नजमा इक्का बैलूत और परिजन रोज फॉर्म भर रहे हैं। 250 से ज्यादा आवेदन भरें ताकि पात्रता पर्ची तैयार की जा सके।

बुद्ध पूर्णिमा पर प्रतिबंधित

रतलाम। मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार 26 मई बुद्ध पूर्णिमा
पर नगर सीमा में स्थित समस्त पशु वध गृह एवं मांस विक्रय की
दुकानों पर पशुवध करना, मटन, गोश्त विक्रय करना अथवा बेचना
निषेध किया गया है। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने संबंधित
स्वच्छता निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि उक्त दिवसों को पशु वध
करवे या मटन गोश्त विक्रय करते पाया जाये तो संबंधित के विरुद्ध
सख्त कार्यवाही की जाये।

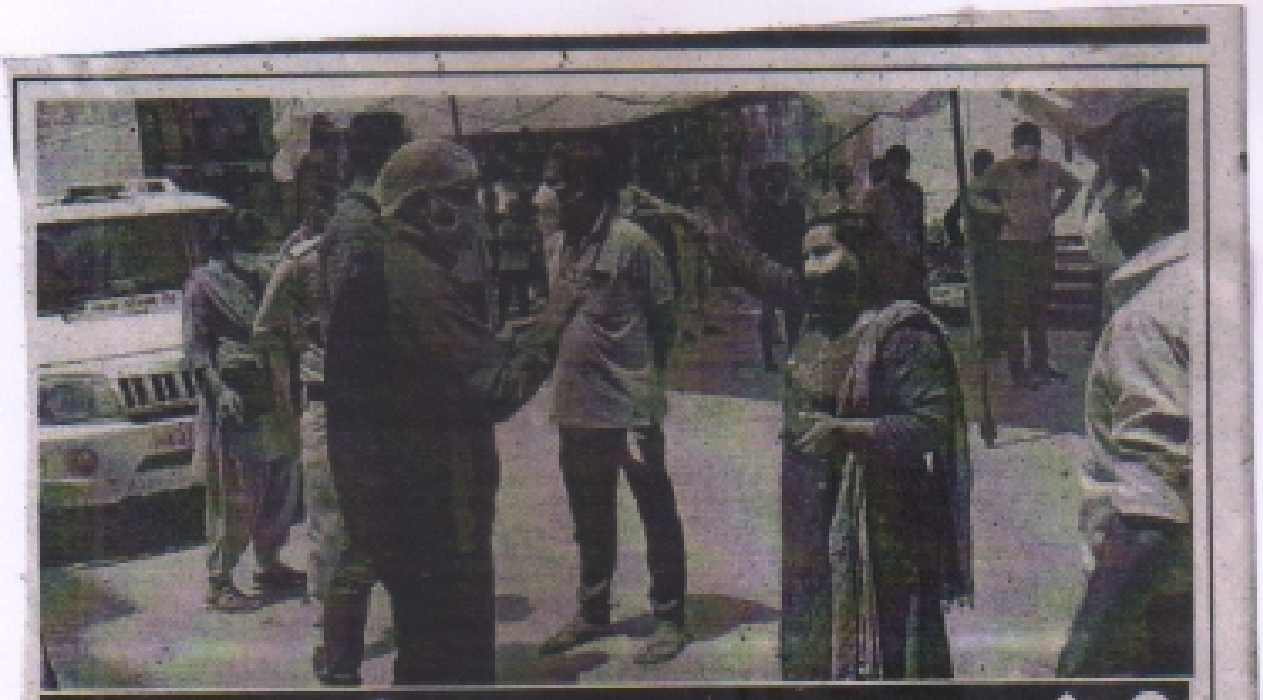

रतलाम की फायर ब्रांड भाजपा नेत्री सीमा टाक आज फिर जनता के लिए भिडी प्रशासन से

रतलाम। भाजपा की पूर्व पार्षद, जिन्होंने दबंग व तेज-तर्रार व्यक्तित्व से शहर में अपनी अलग ही पहचान बना रखी है,आज सुबह-सुबह 10 बजें उन्होंने स्थानीय तरण ताल पर लगें फीवर क्लिनिक पर मरीजों को परेशान होने की खबर सुनी तो उनसे रहा नहीं गया और वो आनन फानन पंहुच गई, तरणताल स्थित फीवर क्लिनिक पर, वहां जाकर उपस्थित मरीजों से बात की तो पता चला कि तरणताल पर उपस्थित मेडिकल स्टाफ उन्हीं लोगों की जांच कर रहा है जिनके पास जिला प्रशासन द्वारा जारी पास हो, जबकि जिला प्रशासन ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि मेडिकल इमरजेंसी में कोई ई-पास नहीं मांगा जाए, इस बात पर उपस्थित मेडिकल अधिकारियों से सीमा टाक ने आग्रह किया कि कलेक्टर का आदेश है अत: मरीजों की जांच की जाए उन्हें परेशान नहीं करें,इस पर अधिकारियों ने पुलिस को फोन कर सीमा टाक पर कार्य में बाधा डालने की बात कही गई,इस पर थाना स्टेशन रोड प्रभारी किशोर पाटनवाला दल बल सहित स्थल पर आये जिनसे भी सीमा टाक ने सवाल उठाया कि जब जिला कलेक्टर और एसपी बोल चुके हैं कि मेडिकल इमरजेंसी में कोई ई-पास नहीं मांगा जाएगा तो जिसको कोविड़ की आशंका कि हम को ऊपर से आदेश है तो उन्होंने कहा कि आप आदेश दिखाइए या फिर लिखकर दीजिए कि बगैर ई पास के जांच नहीं करेंगे इस पर विवाद खड़ा हो गया और भीड़ इकट्ठा हो गई,जिस पर थाना प्रभारी किशोर पाटन वाला और सीमा टाक के बीच काफी देर बहस हुई,तब किशोर पाटन वाला ने कहा कि जिनके पास,ई-पास नहीं है वह सब पुलिस थाने चले तो सीमा टाक ने कहा कि पहले मुझे गिरफ्तार कीजिये फिर इनको ले चलिये मैं चलने को तैयार हूं, उनकी बात सुनकर जितने लोग जांच कराने पहुंचे थे वह भी कहने लगे कि हम भी आपके साथ चलेंगे। बाद में जिला कलेक्टर ने सीमा टाक से बात की और उनके हस्तक्षेप से जो भी लोग जांच कराने पहुंचे थे। उन सभी की जांच प्रारंभ हुई उसके बाद मामले का पटाक्षेप हुआ। बता दें कि सीमा टाक ने अपना नगर निगम रतलाम नाम से एक वाट्सअप ग्रुप बना रखा है जिसमें,शहर के जाने-माने प्रतिष्ठित लोगों तथा भाजपा,कांग्रेस के सक्रिय सदस्यों नगरनिगम के अधिकारियों का समावेश है, सीमा टाक ने सुबह 10-30बजे अपने वाट्सअप ग्रुप में इस बात को दर्शाया कि तरनताल स्थित फीवर क्लिनिक पर मरीजों को परेशान होने के मोबाइल आने पर मैं वहां पंहुच गई हूं जिसे भी आना हो आ जाए। और इस तरह मामले का

भारी बारिश से निपटने की तैयारी, 8 आश्रय स्थल बनाए

आयुक्त झारिया ने बनाई आपदा प्रबंधन व्यवस्था

अफसरों को सौंपी जिम्मेदारी

भास्कर संवाददाता | रतलाम

आगामी मानसून में भारी बारिश से निपटने के लिए नगर निगम ने तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को आयुक्त सोमनाथ झारिया ने आपदा प्रबंधन व्यवस्था करते हुए शहर में आठ आश्रय स्थल बनाए। कंट्रोल रूम स्थापित किया। वहीं अफसरों को बारिश के पहले और बाद में किए जाने वाले इंतजामों की जिम्मेदारी भी इस दौरान सौंपी।

इन स्थानों पर बनाए आश्रय स्थल

गांधीनगर कम्युनिटी हॉल, ईश्वर नगर विद्यालय भवन, शेरानीपुरा जमातखाना, आंबेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउंड, अलकापुरी कम्युनिटी हॉल, धीरज शाह नगर रॉयल हॉल, भवन निर्माण कला केंद्र विरियाखेड़ी, श्री जैन उमा विद्यालय सागोद रोड

दो साल पहले भारी बारिश

2019 की बारिश ने शहर की सड़कों की हालत खस्ता कर दी थी। जिले

किसे, क्या जिम्मेदारी दी

लोक निर्माण विभाग - जर्जर भवनों को नोटिस जारी करना, खतरनाक भवनों को चिन्हांकित करना, क्षतिग्रस्त पुलियाओं को चिन्हित कर संकेतक लगाना, जल प्लावन रोकने के प्रबंध, नाला एवं नालियों के अतिक्रमण हटाना।

कर्मशाला - नाले नालियों और चॉल के चैंबरों पर लगे ढक्कन व फर्शी खुली न रहे इसकी व्यवस्था करना।

आश्रय स्थल - आठ स्थानों पर बनाए गए। जिम्मेदारी उपयंत्री विकास मरकाम को सौंपी गई।

भंडार रक्षक - आपदा प्रबंधन के उपयोग में जरूरी सामग्री व संसाधनों का आकलन कर इंतजाम करना।

जलप्रदाय - बारिश के दौरान पानी साफ करने वाले रसायनों की पर्याप्त उपलब्धता, पानी निकालने के लिए पंप आदि रेडी रखना। जवाबदारी कार्यपालन यंत्री जलप्रदाय को दी गई।

स्वच्छता निरीक्षक - जल निकासी की व्यवस्था, नाले-नालियों की बारिश के पहले सफाई, सार्वजनिक शौचालयों और मूत्रालयों की नियमित सफाई, कीटनाशक का छिड़काव। 25-5-21

अतिवृष्टि से निपटे निगम की तैयारी, अधिकारियों को दिए निर्देश

नव भारत 25

रतलाम । अति वृष्टि के दौरान उत्पन्न होने वाली संभावित परिस्थितियों से निपटने एवं आपदा प्रबंधन के लिए निगम स्तर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने निगम मे विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पाबंद किया है।

निगम आयुक्त श्री झारिया द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत् जीर्ण-शीर्ण भवनों को वर्षा ऋतु के पूर्व नोटिस देकर खतरनाक भवनों को चिन्हित किया जाकर भवन स्वामी को नोटिस दिये जाने तथा क्षतिग्रस्त पुलियाओं को चिन्हित कर रेडियम लगाने के निर्देश के साथ जल प्लावन रोकने तथा पानी के बहाव में अवरोध उत्पन्न करने वाले नाला एवं नालियों के अतिक्रमण चिन्हित कर हटाये जाने तथा शहर के नाले नालियों एवं बाल के चेम्बरों पर लगे ढक्कन व फर्सी इत्यादि खुली न रहे इसकी व्यवस्था किये जाने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग एवं कर्मशाला विभाग को सौंपी है।

अति वृष्टि हेतु 8 आश्रय स्थल बनाये गये है जिसके तहत् गांधीनगर कम्युनिटी हॉल, ईश्वर नगर विद्यालय भवन, शैरानीपुरा जमातखाना, अम्बेडकर मांगलिक भवन पोलोग्राउण्ड, अलकापुरी कम्युनिटी हॉल, धीरजशाह नगर रॉयल हॉल, भवन निर्माण कला केन्द्र बिरियाखेड़ी तथा श्री जैन उ.मा.विद्यालय सागोद रोड है। आश्रय स्थलों के व्यवस्था की जिम्मेदारी उपयंत्री श्री विकास मरकाम उपयंत्री को सौंपी गई है। जो नियुक्त किये गये कर्मचारियों के सहयोग से समुचित व्यवस्था सुनिश्चित् करेंगे। आपदा प्रबंधन के उपयोग में आने वाली आवश्यक सामग्री एवं संसाधनों का आंकलन कर उसके भण्डारण की जिम्मेदारी भण्डार रक्षक को सौंपी है साथ ही वर्षा ऋतु में शुद्ध जल की उपलब्धता एवं वितरण के लिये आवश्यक रसायनों की व्यवस्था एवं उपलब्धता तथा पानी निकालने के लिये पम्प आदि की व्यवस्था किये जाने की जिम्मेदारी प्रभारी कार्यपालन यंत्री जलप्रदाय को सौंपी है। जल की समुचित निकासी एवं व्यवस्थित बहाव के लिए आवश्यक व्यवस्था तथा इस हेतु पृथक से दल गठित करना, वर्षा काल में सड़ी-गली सब्जी-फल आदि के विनिष्टीकरण की कार्रवाही एवं इस हेतु पृथक से दल गठित करना तथा नगर के विभिन्न क्षेत्रो में छोटे एवं बड़े नाले-नालियों की वर्षा पूर्व समुचित सफाई एवं जल एक स्थान पर एकत्रित न हो इसकी व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालयों एवं मुत्रालयों की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाई जाकर आपदा प्रबंधन के संबंध में आवश्यक संसाधन, कीटनाशक आदि की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी प्र.स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वच्छता निरीक्षकों को सौंपी गई है। इसके अलावा प्रकाश हेतु टार्च, पेट्रोमेक्स, तैराक इत्यादि की व्यवस्था के भी निर्देश संबंधित को दिये है। निगम आयुक्त श्री झारिया ने आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्य के लिये नियंत्रण कक्ष जिसका दूरभाष नम्बर 07412-270563 स्थापित कर उपयंत्रियों एवं सहायक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाये जाने के निर्देश दिये।

कोविड जांच के लिए आए लोगों से मांगे ई-पास, हुआ हंगामा

पीपुल्स संवाददाता ● रतलाम

मो.नं. 9425195101

खुद में कोविड के लक्षण होने की आशंका के चलते फीवर क्लिनिक पर जांच कराने पहुंचे लोगों से जब पुलिस ने ई-पास मांगे तो वहां हंगामा शुरू हो गया जो बाद में कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ है।

पूर्व पार्षद सीमा टाक को लोगों ने बताया कि वे कोविड-19 जांच के लिए सिविक सेंटर स्थित तरणताल फीवर क्लीनिक पर पहुंचे तो उनसे जांच करने के लिए पास मांगा जा रहा है। इस पर उन्होंने जनता की परेशानी को समझ क्लीनिक पहुंचकर सवाल उठाया कि जब जिला कलेक्टर और एसपी बोल चुके है कि मेडिकल इमरजेंसी में कोई पास नहीं मांगा जाएगा तो आप पास क्यों मांग रहे है। जब वहां मौजूद स्टाफ ने कहा कि हम को ऊपर से आदेश है तो उन्होंने कहा कि आप आदेश दिखाइए या फिर लिखकर दीजिए कि बगैर ई पास के जांच नही करेंगे इस पर विवाद खड़ा हो गया।